जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 257 प्रभात कोटा, गुरुवार 30 जून, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

कन्हैयालाल का गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार

उदयपुर पहुंची एन.आई.ए. टीम ने पूछताछ शुरू की

उदयपुर, 29 जून (कासं)। दो अतिवादियों द्वारा मंगलवार को बेरहमी से मारे गए टेलर कन्हैयालाल कन्हैया लाल का उदयपुर के अशोकनगर स्थित मोक्षधाम में गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

आज सुबह 7.30 बजे एमबी चिकित्सालय की मोर्चरी में मृतक कन्हैयालाल का पोस्टमार्टम किया गया। इसके बाद उनका शव सैक्टर 14 स्थित उनके घर पर एम्बुलेंस से रवाना किया गया। मोर्चरी में आईपीएस दिनेश एमएन,

- दोनों कट्टरपंथियों के खिलाफ यू.ए.पी.ए. में केस दर्ज हुआ।
- रियाज अत्तारी के खांजीपीर स्थित किराए के मकान के कमरे को जांच एजेंसी ने सीज किया।
- हत्यारों को फांसी दी जानी चाहिए, नहीं तो ये ओर लोगों को मारेंगेः मृतक की पत्नी।

राजेन्द्र प्रसाद गोयल, रेंज के आईजी हिंगलाजदान, कलैक्टर ताराचंद मीणा सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। कन्हैयालाल की पत्नी ने बिलखते हुए कहा कि ''हत्यारों को फांसी दी जानी चाहिए, नहीं तो ये लोग कई लोगों को मारेंगे।''

कन्हैयालाल के घर से करीब 10.30 बजे उनकी अंतिम यात्रा रवाना हुई। इसमें यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए जो 'कन्हैयालाल अमर रहे' के नारे लगा रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे अंतिम यात्रा अशोक नगर स्थित मोक्षधाम पहुंची, जहां उनके दोनों पुत्रों व परिजनों ने उनकी पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा जिला प्रभारी मंत्री रामलाल जाट, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, वल्लभनगर विधायक प्रीति गजेन्द्र शक्तावत, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी सहित राजनीतिक पार्टियों से जुड़े नेता मौजूद रहे।

इधर, उदयपुर में हुई इस बड़ी घटना में मुकदमा यूएपीए के तहत दर्ज किया गया है इसलिए अब आगे की जांच एनआईए (राष्ट्रीय जांच दल) करेगा जिसमें राजस्थान एटीएस अपना पूर्ण सहयोग करेगी। आज सुबह उदयपुर पहुंची एनआइए की विशेष टीम ने प्रकरण के संबंध में जानकारी लेने के बाद कन्हैयालाल तेली की हत्या के मामले में प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों रियाज व मोहम्मद गौस से पूछताछ शुरू कर दी है।

उदयपुर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एडीजी जंगा श्रीनिवास राव, दिनेश एमएन, डीआईजी राजेन्द्र गोयल, एसपी राजीव पचार आदि उदयपुर में स्थिति को संभाले हुए है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर वर्तमान हालात को देखते हुए पुनः सभी पक्षों से शांति बनाएं रखने की अपील भी की है।

भाजपा प्रभारी प्रभारी मंत्री रामलाल जाट ने घटना की घोर निंदा करते हुए नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया एवं अन्य जन प्रतिनिधियों से बातचीत कर सर्वप्रथम मृतक के परिजनों को आर्थिक मदद, पुत्रों को रोजगार सहित अन्य आवश्यक मदद तथा शहर में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आरोपियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। घटना में लापरवाही के चलते एक एएसआई निलंबन कर अपने कर्मचारी इतिश्री करने पर उन्होंने कहा कि अभी तो शुरूआत हुई है। जांच के साथ साथ लापरवाही के साक्ष्य मिलने पर लापरवाह अधिकारी व कर्मचारी के विरूद्ध भी कार्यवाही होनी चाहिए। मोर्चरी पर मौजूद नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि अपरधियों में भय नहीं होने से ऐसी घटना हुई है, जिसकी निंदा की जानी चाहिए।

कट्टरपंथियों की भेंट चढ़े उदयपुर के कन्हैयालाल के शव का बुधवार को उदयपुर के अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया गया। कन्हैयालाल के साथ हुई इस दुर्दान्त एवं आतंकी घटना का विरोध प्रकट करने के लिए एवं कन्हैयालाल के परिवार के समर्थन में इस मौके पर हजारों लोगों की भीड़ जुटी।

गुरूवार को जयपुर बंद की भी घोषणा

जयपुर, 29 जून (का.प्र.)। उदयपुर में हुई कन्हैयालाल टेलर की हत्या के विरोध में 30 जून को जयपुर बंद रखने की घोषणा की गई है। बुधवार को जयपुर के सेवा सदन में हुई हिंदू संगठनों की बैठक में यह फैसला लेने के बाद कहा गया कि बंद के दौरान अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाजार और प्रतिष्ठान बंद रखे जाएंगे। इसके बाद 3 जुलाई को हिंदू संगठनों द्वारा जयपुर में बड़ा विरोध मार्च निकाला जाएगा। वहीं जयपुर के

- इंटरनैट सेवाओं पर भी शाम तक रहेगी पाबंदी।

संभागीय आयुक्त ने 30 जून शाम 5:30 बजे तक संभाग के सभी जिलों में इन्टरनैट सेवा बंद का आदेश जारी कर दिया है।

कन्हैयालाल की हत्या के खिलाफ जयपुर में हिन्दू संगठनों की बैठक में आर एस एस, विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल समेत कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों के पधाधिकारियों के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया भी मौजूद रहे। इस दौरान सतीश पूनिया ने कहा कि ''राजस्थान में कांग्रेस सरकार के राज में सांप्रदायिक सौहार्द लगातार बिगड़ रहा है। भोली भाली जनता को मौत के घाट उतारा जा रहा है। प्रदेश में अपराधी वारदातों को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं और मुख्यमंत्री अपनी सरकार को बचाने में लगे हैं।

उधर जयपुर जिला कलैक्टर राजन विशाल ने एक आदेश जारी कर पूरे जिले में आगामी आदेश तक धारा 144 लागू कर दी है। ऐसे में अब कहीं पर भी पांच या इससे अधिक लोग इकट्ठे नहीं हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर घटना के दोनों आरोपी दावते इस्लामी संगठन से जुड़े हुए हैं

इनके कनैक्शन पाकिस्तान व अन्य अरब देशों से भी हैं

जयपुर/उदयपुर, 29 जून (का.प्र.)। उदयपुर में हुई सनसनीखेज हत्या के तार पाकिस्तान से जुड़ रहे हैं। नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एन. आई.ए.) ने 8 से 10 मोबाइल नंबर ट्रेस किए हैं, जिनकी लोकेशन पाकिस्तान से लेकर भारत में आ रही है और आरोपी रियाज अख्तर और गौस मोहम्मद की इन नम्बरों पर लगातार बातचीत हो रही थी। इस इनपुट से खुफिया तंत्र के कड़ी से कड़ी जोड़ने में लगा है। एनआईए ने आरोपियों के खिलाफ यूएपीए में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर ने बताया कि इस नृशंस हत्याकांड के मामले में 2 मुख्य आरोपियों सहित कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रण में हैं और सभी

गुरुवारको उदयपुर जायेंगे। जहां वे मृतक कन्हैयालाल के परिजनों से मिलेंगे। गहलोत सुबह दस बजे उदयपुर के लिए रवाना होंगे। उनके साथ गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव उषा शर्मा और पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर भी होंगे।

जयपुर में कानून- व्यवस्था से जुड़ी उच्च स्तरीय बैठक के बाद राजस्थान के गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने इस मामले को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि दोनों हत्यारे पाकिस्तान और अरब देशों के लोगों से कॉन्टैक्ट में थे। इनके मोबाइल में पाकिस्तान और अरब देशों के कुछ कांटेक्ट नंबर मिले हैं। इसी के साथ दोनों की पाकिस्तान के फोन नंबरों पर भी बातचीत होती रहती थी।

यादव ने दावा किया है कि दोनों

- दोनों ने कराची में 15 दिन की ट्रेनिंग ली, नेपाल के रास्ते पाकिस्तान गए थे।
- कराची से लौटने के बाद वॉट्सऐप ग्रुप के जरिए भड़काऊ वीडियो भेजकर युवाओं का ब्रेन वॉश कर रहे थे।
- जांच एन.आई.ए. के हाथ में, दोनों हत्यारों पर यू.ए.पी.ए. के तहत मामला दर्ज।
- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज उदयपुर में कन्हैयालाल के परिजनों से मिलेंगे।

स्थानों पर पुलिस सतर्कता से निगरानी रख रही है। कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत माकूल पुलिस बन्दोबस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि परिस्थिति का सही आंकलन नही कर पाने के कारण उदयपुर जिले के धानमंडी थानाधिकारी व एक सहायक उप निरीक्षक को निलंबित किया गया है। उधर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को जयपुर में उदयपुर की घटना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

इसके अलावा उदयपुर की घटना में शामिल आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी करने वाले पांच पुलिसकर्मियों तेजपाल, नरेन्द्र, शौकत, विकास व गौतम को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन देने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कराची में ट्रेनिंग भी ली है। जानकारी मिली है कि दोनों ने वर्ष 2014-15 में करीब 15 दिन की ट्रेनिंग पाकिस्तान में ली थी। पाकिस्तान से बुलावा आने के बाद वे अपने आका के बुलावे पर दोनों पहले नेपाल और वहां से पाकिस्तान गए थे।

राजस्थान के पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने बताया कि जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी कई सालों से दावते इस्लामी संगठन से जुड़े हुए थे। हालांकि इस घटना से पहले दोनों आरोपियों की कोई क्रिमनल हिस्ट्री अभी तक सामने नहीं आई है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को उदयपुर में कन्हैयालाल की जिस वहशियाना तरीके से हत्या की गई है,उसके बाद से राजस्थान पुलिस के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजसमंद में कानून व्यवस्था संभाल रहा पुलिस कर्मी धारदार हथियार से जख्मी

अजमेर/भीम, 29 जून (कास)। राजस्थान के उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की जघन्य हत्या के बाद मचे बवाल के बीच राजसमंद के भीम इलाके में एक कॉन्स्टेबल पर तलवार से हमला हुआ है। लोग यहां उदयपुर की घटना का विरोध कर रहे थे। पुलिसकर्मी के रोकने पर भीड़ में शामिल एक व्यक्ति

- ब्यावर में प्राथमिक उपचार के बाद ग्रीन कॉरिडोर के जरिए उसे जे.एल.एन. अस्पताल लाया गया।

ने उसकी गर्दन पर तलवार मार दी। गंभीर रूप से घायल कॉन्स्टेबल को अजमेर रैफर किया गया है। भीम में ही मंगलवार को दोनों हत्यारे पकड़े गए थे। इस हमले के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बन गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान को आशा की किरण नज़र आयी

आई.एम.एम. से 6 अरब डॉलर के स्वीकृत ऋण में से 1 अरब डॉलर देने के लिये बातचीत शुरू की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। पाकिस्तान के वित्त मंत्री करीब एक हफ्ते पहले अपने देश की जनता से अनुरोध कर रहे थे कि, वो चाय कम पीए क्योंकि देश आवश्यक वस्तुओं को आयात करने के लिए भी विदेशी मुद्रा की पाई-पाई जुटाने में लगा है। पाकिस्तान का विदेशी विनिमय भण्डार इतना कम हो गया है कि, अब कुछ ही दिनों के लिए आयात किया जा सकता है।

चाय के उपभोग में कमी का महत्व बताना पाकिस्तान में कोई आसान सलाह नहीं है। वह दुनिया में, चाय का सर्वाधिक उपभोग करने वाले देशों में से एक है और चाय यहां सर्वव्यापी है। देश

- आई.एम.एफ. ने कई पूर्व शर्तें लगायीं, जिनमें प्रमुख है, एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन होना, जो ऋण की राशि को राजनीतिज्ञों व अफसरों की प्राइवेट जेबों में जाने से रोके।
- दूसरी शर्त है, पैट्रोल की कीमत में लगभग पचास रूपये प्रति लीटर की वृद्धि तथा बिजली के दामों में बढ़ोतरी कर, लगभग 43, 500 करोड़ रूपये की अतिरिक्त आमदनी उगाहने की गंभीर कोशिश।

की आर्थिक स्थिति मूलतः श्रीलंका से अलग नहीं है। पाकिस्तान पर ऋणों का बहुत भार है और उसकी अर्थव्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर है।

चाय पीने को लेकर सरकार की चेतावनी ने पाकिस्तान की गंभीर आर्थिक स्थिति को उजागर किया था। बरसों की लापरवाही और कुप्रबंधन ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है, अमेरिकी डॉलर की तुलना में पाकिस्तान के रूपए की वैल्यू गिर गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा देने का विकल्प अपनाया, फ्लोर टैस्ट के बजाय

अपने समर्थकों को ''ऑन लाइन'' संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, फ्लोर टैस्ट के बाद ''मैं अपने शिव सैनिकों का खून नहीं बहने देना चाहता''

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। जहाँ सर्वोच्च न्यायालय के दो जजों की बैंच ने आज राज्यपाल भगतसिंह कोशियारी के शक्ति-परीक्षण के आदेश का समर्थन कर दिया, वहीं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सबको चौंकाते हुये, कल सदन के पटल पर अपना बहुमत सिद्ध करने के बजाय, अपना पद छोड़ने का निर्णय ले लिया तथा इस प्रकार महाराष्ट्र की 31 माह पुरानी तीन पार्टियों की एम.वी.ए. सरकार का भविष्य सील बन्द हो गया।

इससे पूर्व, सर्वोच्च न्यायालय ने शिवसेना द्वारा दायर की गई याचिका में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

- उद्धव ठाकरे ने यह भी कहा कि, सेना एक परिवार है, मैं उसे टूटने नहीं दूंगा। मैं पार्टी पर समर्पित हूँ, सत्ता पर नहीं।
- बुधवार को शिंदे के समर्थक दिन में कामाख्या देवी के दर्शन करने गये और फिर गोवा रवाना हो गये चार्टर्ड फ्लाइट से।
- दिन में राज्यपाल ने मु.मंत्री ठाकरे को पत्र लिखकर कहा था कि, वे ''फ्लोर टैस्ट'' के लिये तैयार रहें, क्योंकि उनकी (राज्यपाल की) दृष्टि में ठाकरे सरकार अल्पमत में आ गयी है तथा उनकी पार्टी के विधायक उन्हें छोड़ कर जा रहे हैं तथा मु.मंत्री उन्हें अप्रजातंत्रीय तरीके से पार्टी में बनाये रखने का प्रयास कर रहे हैं, अतः किसका बहुमत है, यह फ्लोर टैस्ट द्वारा तय हो जाना चाहिए।
- मु.मंत्री ठाकरे ने सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका पेश की थी कि, जब तक विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधायकों की सदस्यता खत्म करने के लिये दिये गये नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय नहीं हो जाता, ''फ्लोर टैस्ट'' नहीं होना चाहिये। सुप्रीम कोर्ट ने यह दलील स्वीकार नहीं की तथा राज्यपाल द्वारा ''फ्लोर टैस्ट'' के लिये दिये गये आदेश की अनुपालना का रास्ता साफ किया।

समर्थकों तथा मतदाताओं को अपने ऑनलाइन भावना प्रधान सम्बोधन में ठाकरे ने कहा, ''हम सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। लोकतन्त्र की अनुपालना होनी ही चाहिये।''

यह घोषणा करते हुये कि, वे महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्यता भी छोड़ रहे हैं, ठाकरे ने कहा कि ''मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे रहा हूँ। शिवसैनिकों का जो खून कल बह सकता है, मैं उसका भागीदार नहीं बनना चाहता। विद्रोह शुरू होने के दो दिन बाद, ठाकरे ने मुख्यमंत्री आवास छोड़ दिया था तथा इस प्रकार उन्होंने अपना वह वादा पूरा किया था, जो उन्होंने विद्रोहियों से एक फेसबुक लाइव में किया था-कि उनका विवाह पार्टी से हुआ है, सत्ता से नहीं।

उन्होंने कहा, ''सेना एक परिवार है तथा वे इसे टूटने नहीं देंगे। मैं कहीं नहीं जा रहा, मैं अपने सभी समर्थकों को इकट्ठा करूँगा। हम वापसी करेंगे।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुकेश अंबानी के परिवार को प्रदत्त सुरक्षा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मई-जून के उन आदेशों पर ''स्टे'' लगा दिया, जिनमें मुम्बई में

- सुप्रीम कोर्ट ने त्रिपुरा हाई कोर्ट द्वार इस सुरक्षा प्रदान करने के आदेश को ''एग्ज़ामिन'' करने के आदेश को ''स्टे'' किया।

रिलायंस इन्डस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अम्बानी तथा उनके परिवार को दिये गये सिक्यूरिटी कवर के परीक्षण की बात कही गई थी।

त्रिपुरा उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए ''थ्रैट परसैप्शन'' की जांच के आदेश के विरूद्ध सर्वोच्च न्यायालय पहुँची

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैडिकल सीट्स

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 जून। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस बात पर चिन्ता जताये जाने के फलस्वरूप, कि मैडिकल कॉलेजों में इस साल 1456 पोस्ट ग्रेजुएट सीटें खाली पड़ी हुई हैं,

- नैशनल मैडिकल कमिशन नया सिस्टम लागू करेगा, अगले सत्र से, जिससे एक भी एम.बी.बी.एस. या पी.जी. की सीट खाली नहीं रहे काउन्सलिंग के बाद।

नेशनल मैडिकल कमीशन (एन.एम.सी.) एक नई प्रक्रिया विकसित करने जा रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि, प्रवेश की अन्तिम तिथि तक एक भी सीट खाली न रहे।

इसी प्रकार अखिल भारतीय कोटा में 323 एम.बी.बी.एस. सीटें तथा करीब 3000 सीटें मैनेजमेन्ट कोटा में खाली पड़ी हुई हैं। इस तथ्य से स्वास्थ्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)